एक्सपोर्ट के लिए शुगर इंडस्ट्री ने मांगी सरकारी मदद

केंद्र से एथनॉल प्रॉडक्शन कैपेसिटी बढ़ाने वाली कंपनियों के लिए वित्तीय सहायता की मांग

[माधवी सैली | नई दिल्ली]

चीनी की मांग से अधिक प्रॉडक्शन की उम्मीद के कारण शुगर इंडस्ट्री एक्सपोर्ट बढ़ाने के लिए सरकार से मदद चाहती है। इस बारे में शुगर इंडस्ट्री के प्रतिनिधि गुरुवार को खाद्य एवं उपभोक्ता मामलों के मंत्री रामविलास पासवान से मिलेंगे।

शुगर इंडस्ट्री चाहती है कि सरकार उन कंपनियों की वित्तीय मदद करे, जो एथनॉल प्रॉडक्शन कैपेसिटी बढ़ाने को तैयार हैं। इससे चीनी मिलों के मुनाफे और उनके लिए नकदी की बेहतर स्थिति को बरकरार रखने में मदद मिलेगी। चीनी के एक्स्ट्रा स्टॉक को निकालने के लिए सरकार ने मिलों को 2018-19 सीजन (अक्टूबर-सितंबर) में 50 लाख टन का एक्सपोर्ट करने को कहा है। इंडियन शुगर मिल्स एसोसिएशन के डायरेक्टर जनरल अबिनाश वर्मा ने बताया, 'शुगर इंडस्ट्री ने अभी तक 15 लाख टन चीनी के एक्सपोर्ट के लिए कॉन्ट्रैक्ट किए हैं। सरकार वित्तीय सहायता या सब्सिडी के साथ मिलों की मदद कर रही है। हम समझते हैं कि सरकार को फंड जारी करने में कुछ समय लगता है, लेकिन अगर कुछ मिलें मौजूदा माहौल में एक्सपोर्ट कर सकती हैं तो अन्यों को भी करना चाहिए।' वर्मा ने कहा कि इंडस्ट्री ने सरकार से एथनॉल प्रॉडक्शन के लिए कुछ और प्रोजेक्ट्स को अनुमति देने के लिए कहा है। उन्होंने बताया, 'एथनॉल प्रॉडक्शन की कैपेसिटी बढ़ाने और नए प्रॉडक्शन के लिए 256 आवेदन जमा किए गए थे, लेकिन इनमें से केवल 114 प्रोजेक्ट्स को अभी तक सब्सिडी पर लोन के लिए स्वीकृति मिली है। इन आवेदनों में से और प्रोजेक्ट्स को अनुमति दी जानी चाहिए।' एसोसिएशन ने सरकार से चीनी के एक्स-मिल प्राइस को बढ़ाकर 35-36 रुपये प्रति किलोग्राम करने को कहा है, जो चीनी के प्रॉडक्शन की मौजूदा कॉस्ट है। इंडस्ट्री के अनुसार, उत्तर प्रदेश में चीनी की कीमतें 31-31.50 रुपये प्रति किलोग्राम और महाराष्ट्र में 29 रुपये प्रति किलोग्राम हैं। इंडियन शुगर एग्जिम कॉरपोरेशन के मैनेजिंग डायरेक्टर अधीर झा ने कहा कि सरकार को शुगर कंपनियों को अपने कोटा से अधिक का एक्सपोर्ट करने की अनुमति देनी चाहिए। अभी सरकार प्रति क्विंटल 13.88 रुपये की सब्सिडी देती है और मिलों के प्रॉडक्शन के आधार पर उन्हें एक्सपोर्ट कोटा जारी करती है। गन्ने की बकाया रकम बढ़कर लगभग 20,000 करोड़ रुपये पर पहुंचने और उत्पादन जनवरी तक 8 पर्सेंट बढ़ने के मद्देनजर इंडस्ट्री को एक्सपोर्ट में बढ़ोतरी और गन्ने का इस्तेमाल एथनॉल के अधिक प्रॉडक्शन के लिए करने की जरूरत है।

शुगर इंडस्ट्री के प्रतिनिधि कल खाद्य एवं उपभोक्ता मामलों के मंत्री रामविलास पासवान से मुलाकात करेंगे

The Economic Times
06/02/19